यहाँ एक कॉफ़ी हाउस रहता था

राजकुमार कुम्भज

I

यहाँ एक कॉफ़ी हाउस रहता था
जो बहुत पीछे छूट गया है अब किसी एक पुकार की तरह
कल तक जहाँ कॉफ़ी हाउस था, आज वहाँ मलबा है
कॉफ़ी हाउस के मलबे में दबे हैं कई-कई विचार
मलबे में दबे विचार कभी भी बाहर नहीं निकलते हैं
वे, नींव बन जाते हैं संस्कृति की।

II

कॉफ़ी हाउस के कई कोने थे
किसी कोने में बैठते थे कुछ ठेकेदार क़िस्म के लोग
किसी में गप्पबाज़, किसी में यारबाज़
तो किसी कोने में बैठते थे ज़माने भर के शिकायतकर्ता
किसी कोने में शहर के तथाकथित श्रेष्ठि-भद्र-अभद्र
किसी में दलाल, भवन-निर्माता और अभिभावक
तो किसी कोने में बैठती थीं कुछेक लड़कियाँ
अपने कुछेक मित्रों के साथ घंटों प्रसन्नचित्त
गरम कॉफ़ी हो जाती थी ठंडी
किन्तु तब भी ख़त्म नहीं होती थीं वे बातें जो थी लम्हों की।
कॉफ़ी हाउस के कई-कई कोने थे
किसी कोने में बैठते थे कुछेक बुद्धिजीवी भी
जो एक प्याला कॉफ़ी में समूची बरसात बराबर रोते थे
और ख़ुश होते थे।

III

यह जो एक कॉफ़ी हाउस नहीं रहा
उसमें रहती थी असंख्य असहमतियाँ
और उन असंख्य असहमतियों में
बनी रहती थी यह एक सहमति भी
कि बनी रहे असहमति।

IV

इसी एक कॉफ़ी हाउस की बग़ल से
गुज़रता है इस शहर का सबसे लम्बा महात्मा गांधी मार्ग
यह महात्मा गांधी मार्ग कारों की दौड़ से हाँफ रहा है इन दिनों
इन दिनों कई-कई राजनीति-दलों के लिए ज़रूरी है
महात्मा-गांधी मार्ग का विकल्प
क्या कोई विकल्प हो सकता है महात्मा गांधी मार्ग का?
क्या कोई विकल्प हो सकता है उस एक कॉफ़ी हाउस का?
जो इस महात्मा गांधी मार्ग के किनारे रहता था
और गांधी मार्ग से थोड़ा असहमत था?

V

इलाहाबाद से लौटा
तो दिल्ली-कोलकाता में नहीं था
दिल्ली-कोलकाता से लौटा तो
पटना-भोपाल में नहीं था
पटना-भोपाल से लौटा
तो लखनऊ-बेंगलूर में नहीं था
लखनऊ-बेंगलूर से लौटा
तो जबलपुर-चेन्नई में नहीं था
और जब जबलपुर-चेन्नई से लौटा
तो वह इन्दौर में नही था।
अर्थात कॉफ़ी हाउस ।

VI

कॉफ़ी में झाग मत लाओ
झाग-संस्कार से मेरी असहमति रही है

मैं लौटा देता हूँ झाग भरी कॉफ़ी का वह प्याला
जिसे मेरे ही आग्रह पर अभी-अभी लाया था वेटर
किन्तु अब वहाँ न कॉफ़ी है, न कॉफ़ी हाउस है
न वेटर, न मैं और न ही वे गप्पेबाज़ दोस्त ही यहाँ मौजूद हैं
जो झाग-संस्कार से असहमत।

VII

जिन्होंने युद्ध किया
वे ही जानते है युद्धोन्माद
जिन्होंने प्रेम किया
वे ही जानते हैं वह पीड़ा
जिन्होंने खोया कॉफ़ी हाउस
वे ही जानते हैं विस्थापन।